फार्म जमा करने की अंतिम तिथि – 20 दिसम्बर 2023

5 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में....

"प्रयास" रिश्तों को जोड़ने का

अखिल भारतीय जैन विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पत्रिका

नवीन फोटो की सॉफ्ट कॉपी एवं पूर्ण रूप से भरा गया फार्म 94069-34065 पर ही भेजें।

रजिस्टर्ड मोबाइल नं. (वाट्सएप्प) ______ अविवाहित ☐ विवाहित ☐

नोट – रजिस्टर्ड (वाट्सएप्प) मोबाइल नंबर पर ही प्रूफ भेजा जावेगा।

प्रत्याशी का विवरण

प्रत्याशी का नाम ______
शिक्षा (अंतिम) ______
वार्षिक आय रु. ______
व्यवसाय/सर्विस ______
चयन में प्राथमिकता (यदि हो तो) ______
वाट्सएप्प नंबर : ______

जन्मतिथि ______
समय ______ रेलवे समयानुसार (0–24)
स्थान ______
ऊँचाई ______
वजन ______ किलो
वर्ण ______ गोरा गेहुँआ साँवला

उपजाति – दिगम्बर/श्वेताम्बर ______
गौत्र – स्वयं ______
मामा – गौत्र ______
बंधन – हाँ ☐ नहीं ☐
मंगली – हाँ ☐ नहीं ☐
(हाँ या नहीं पर ✓ करें)

भाई-बहन का विवरण
बहन (अंको में) ☐ ☐ विवाहित अविवाहित
भाई (अंको में) ☐ ☐ विवाहित अविवाहित

आवास
☐ ☐ स्वयं का किराये का (टिक ✓ करें)

प्रत्याशी का पारिवारिक विवरण

पिता का नाम ______
माता का नाम ______
पता ______
______ पिनकोड ______
व्यवसाय ______ वार्षिक आय ______
फो./मो.: ______
नंबर : ______

सम्पर्क हेतु

1 श्री ______ नगर ______
मो. ______
2 श्री ______ नगर ______
मो. ______

प्रविष्टि फार्म प्राप्त करने के लिए आप 9406934065 पर संदेश भेजे।
प्रविष्टि फार्म एवं बैंक में फंड ट्रांसफर भुगतान का स्क्रीन शॉट UTI /UPI No. सहित 9406934065 पर अनिवार्य रुप से भेजने पर स्वीकार किया जावेगा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क पत्रिका सहित – 500/– (कोरियर खर्च सहित)
रजिस्ट्रेशन शुल्क बिना पत्रिका – 300/–

वचन पत्र

उपरोक्त आवेदन में समस्त जानकारी पूर्णतः सत्य है जिसके लिए मैं स्वयं उत्तरदायी हूँ तथा समस्त विवरण "प्रयास" रिश्तों को जोड़ने का परिचय पुस्तिका में प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ।
पत्रिका प्रिंटिंग में त्रुटि रह जाने पर मैं समिति को उत्तरदायी नहीं ठहराऊंगा/ठहराऊंगी।

हस्ताक्षर प्रत्याशी/पालक/अभिभावक

पूर्ण नाम ....

फार्म डाक से भेजने का पता : श्री राजेन्द्र जैन, DKN-230, स्कीम नं. 74-सी, विजय नगर, इन्दौर – 452010

फार्म भरने की अंतिम तिथी 20 दिसम्बर 2023। पत्रिका जनवरी के द्वितीय सप्ताह के पश्चात आपको भेजी जावेगी।

पत्रिका संपादक के नाम से प्रविष्टि पंजीयन शुल्क व विज्ञापन राशि जमा आप निम्न बैंक में फंड ट्रांसफर व पेटीएम के द्वारा भी कर सकते है –

हिन्दी में – राजेन्द्र जैन अंग्रेजी में – RAJENDRA JAIN

✲ बैंक का नाम – एचडीएफसी बैंक ✲ खाता क्रमांक – 50100439222846
✲ IFSC code : HDFC0007244 ✲ ब्रांच – स्कीम नं. 54, इन्दौर

आनलाईन प्रविष्टि फार्म भरने के लिए क्लिक करें – http://prayasvivah.in

Paytm नंबर 9424013136 पर आप प्रविष्टि शुल्क 500/– रु. का भुगतान कर प्रविष्टि फार्म 9406934065 नंबर पर भेज सकते है।

विज्ञापन शुल्क – फुल पेज (बायोडाटा मय विज्ञापन) – 5000 रु. ✲ आधा पेज (बायोडाटा मय विज्ञापन) – 3000 रु.
आपके द्वारा प्रेषित विज्ञापन की राशि प्राप्त होने पर ही विज्ञापन प्रकाशित किया जावेगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – मो.: 9424013136, 9425903301, 9009066884

"पंथ भले हो अलग-अलग, जीवन साथी सिर्फ जैन हो"

पिता

पिता का साया जब किसी के सिर पर होता है,
वह अपना अमूल्य जीवन नादानी में खोता है।
पिता का शुभाशीष कितना बड़ा वरदान है,
अनुकूल परिस्थितियां उसी की कद्रदान है।
पितृसेवा और सत्कार कैसे किया जाता है,
उसका महत्व कोई भी समझ नहीं पाता है।
बच्चे के जन्म पर पिता को सब कुछ पाने का बोध होता है,
फिर वह अपना जीवन संतान की परवरिश पर खोता है।
संतान सुख के लिए जीवन भर सपने बुनता है,
अपनी खुशियां कुर्बान कर जमाने की सुनता है।
बच्चों का भविष्य अपनी खुली आँखों से देखता है,
कोई कमी ना रह जाये अपने दायित्वों को लेखता है।
अपने बच्चों की उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ता,
खुद न हो पसंद पर बच्चों की इच्छा को नहीं तोड़ता।
बच्चे तो पिता के लिए उनका स्वाभिमान होते है,
उपेक्षा मिलने पर रब की मर्जी समझकर रोते है।
संतान से अपेक्षा रखने को अपनी गलती मानते है,
उनके लिए कोई परेशान ना हो भलीभांति जानते है।
पिता के रहते बच्चों को क्या कोई भी चिंता होती है,
परिवार को संभालने की जिम्मेदारी उनकी होती है।
बेटी को विदा करने पर सुख दुःख में खेद नहीं होता,
बेटा का विवाह करने पर सुख दुःख में भेद नहीं होता।
जिसके होने के एहसास से खुशी की तरंग होती है,
एक पिता के दर्द में भी हमेशा मृदुल उमंग होती है।
पर्वत के समान सभी की रक्षा में तत्पर रहता है,
नभ के समान परिवार पर छत्र छाया रखता है।
आपत्ति में सागर के समान मन में गहराई रखता है,
विपत्ति में धरती के समान धैर्य को धारण करता है।
वह पिता परिवार में कोल्हू के बैल जैसा होता है,
अपना अस्तित्व बरसात के पानी जैसा खोता है।

– विशाल जैन, पवा
सहसंपादक – गोलालारीय दर्शन

"प्रयास" रिश्तों को जोड़ने का — एक प्रयास जो हम सबको मिलकर करना है

"प्रयास रिश्तो को जोड़ने का.." की पत्रिका के लिए प्रविष्टि भरने का कार्य प्रारंभ हो चुका हैं, इस आयोजन में हम समग्र जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों का बायोडाटा प्राप्त करने का प्रयास हर स्तर पर कर रहे हैं। हमारा आप सभी समाजजनों से विनम्र निवेदन है कि वह अपने नगर में इस पत्रिका के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए अपने नगर के विवाह योग्य प्रत्याशियों को इस पत्रिका की जानकारी देकर प्रविष्टि फार्म को भरने के लिए प्रेरित करें। आपका यह छोटा सा मार्गदर्शन उन परिवारों के लिए रिश्तों को ढूंढने में उन्हें एक राह दिखा सकता हैं, आज के बदलते दौर में हर परिवार अपने बच्चों के लिए अच्छा संबंध चाहता है और हम इस माध्यम में एक छोटी सी कड़ी बनकर इस समस्या का निराकरण आपके सहयोग से करना चाहते हैं। आप इस पत्रिका के महत्वपूर्ण घटक बनकर अपने परिचितों, रिश्तेदारों व समाजजनों को प्रविष्टि फार्म भरने के लिए प्रेरित करें। पत्रिका की प्रविष्टि राशि न्यूनतम निर्धारित की गई है। ✲ पत्रिका सहित प्रविष्टि – रु. 500/– ✲ और बिना पत्रिका के प्रविष्टि 300/– हम समाज के प्रत्येक परिवार में इस संदेश को आपके द्वारा पहुंचाना चाहते हैं व चाहते है कि जिन परिवारों में विवाह योग्य बच्चे हैं वे इस फॉर्म को अवश्य भरें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – 9424013136

।। सादर श्रद्धांजली ।।

✲ स्व. श्री प्रसन्नकुमार जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती सुशीलादेवी जैन** का देवलोकगमन 23 अप्रैल को विदिशा में हो गया। आप धार्मिक कार्यक्रमों में विशेष रुचि रखती थी।

✲ अहमदाबाद समाज के वरिष्ठ सदस्य **डॉ. शेखरचंद जैन** का देवलोकगमन 11 मई को अहमदाबाद में हो गया। आपने देश विदेश में जैन धर्म के सिध्दांतों को प्रचारित व प्रसारित कर काफी ख्याति अर्जित की। आप अहमदाबाद जैन समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते थे।

✲ स्व. श्री हीरालालजी जैन सायकल वालों के ज्येष्ठ पुत्र, **श्री राजेन्द्र कुमार जैन 'दादा'** का देवलोकगमन 8 जून को इन्दौर में हो गया है। आप इन्दौर गोलालारीय न्यास, श्री पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्या. व गोलालारीय दर्शन के संस्थापक अध्यक्ष रहे। आप धर्मप्रिय और सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 21000 रु. की राशि भेंट की।

✲ श्री अशोककुमार जैन फणीश की धर्मपत्नी **श्रीमती विमला जैन** का देवलोकगमन 17 जून को विदिशा में हो गया। आप धार्मिक व मिलनसार थी।

✲ श्री सतीश जैन कैलवारावालों के सुपुत्र **श्री शशांक जैन** का देवलोकगमन अल्पायु में 30 जून को ललितपुर में हो गया।

✲ स्व. श्री धन्यकुमार जी जैन के सुपुत्र **श्री कमलनयनजी जैन** का देवलोकगमन अहमदाबाद में 29 जुलाई को हो गया है आप धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

✲ **सिंघई श्रीमती शांतिदेवी प्रेमचंदजी जैन (पडरावालो)** का देवलोकगमन 28 जुलाई को अहमदाबाद में हो गया।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट – शोक संदेशों का प्रकाशन जानकारी देने पर निशुल्क किया जाता है।